Road Safety Event- Bhopal

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन, भोपाल में आज सड़क- सुरक्षा अभियान का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ विधिवत रूप से किया गया। इस शुभ अवसर पर सड़क सुरक्षा से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं तथा सुरक्षित, संतुलित एवं खुशनुमा जीवन जीने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्थान के ट्रांसपोर्ट एवं ट्रैवल विंग द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों एवं विभिन्न प्रोजेक्ट्स की जानकारी बी.के.दीपेंद्र भाई द्वारा दी गई। बी.के. आशीष भाई ने सड़क सुरक्षा विषय की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की चिंताजनक स्थिति, उनसे होने वाली जन-धन हानि तथा दुर्घटनाओं से बचाव के प्रभावी उपायों पर विशेष बल दिया।

इस क्रम में बी.के.भगवान भाई एवं बी.के .वर्मा जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित आदरणीया निर्मला दीदी जी ने अपने आशीर्वचन प्रदान करते हुए अभियान की सफलता की कामना की।

कार्यक्रम के अंत में बी.के. सतनाम भाई द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया तथा कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन बी.के.सरिता बहन द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेवा केंद्र से जुड़े सभी भाई- बहन उपस्थित रहे।

इस सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर जगह-जगह आयोजित किए जाएंगे।

अभियान के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे दुर्घटनाओं के अनुपात को कम किया जा सके ।

कार्यक्रम के उपरांत सड़क सुरक्षा रथ को विधिवत झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे सड़क सुरक्षा का संदेश जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

आज राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा अभियान भोपाल के व्यस्ततम करौंद चौराहे पर पहुँचा।

यातायात पुलिस के सहयोग से आयोजित रोड शो में ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी वाहन चालकों व नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

"सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा" के संदेश के साथ लोगों को हेलमेट, सीट बेल्ट, गति सीमा और सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित किया गया।

ज्ञात हो भारत वर्ष में प्रतिवर्ष लगभग 4:30 लाख लोग रोड एक्सीडेंट्स में घायल होते हैं जिसमें से डेढ़ लाख से भी ज्यादा लोगों की मृत्यु हो जाती है विडंबना यह है कि इसमें ज्यादातर युवा रहते हैं जिनकी उम्र 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच में है अतः इस कड़ी को तोड़ना बहुत जरूरी है इसके लिए सबको साथ आना होगा |

सड़क पर सबसे बड़ी दुर्घटना सिर्फ टक्कर नहीं होती –

सबसे बड़ी दुर्घटना तब होती है, जब कोई घायल मदद के अभाव में दम तोड़ देता है। और लोग केवल अपने मोबाइल से रील बनाते रहते हैं |

हम में से बहुत से लोग किसी एक्सीडेंट के बाद मदद नहीं करते, क्योंकि उन्हें डर लगता है –

"पुलिस परेशान करेगी, केस में फँसा देगी, कोर्ट जाना पड़ेगा।"

भारत सरकार के कानून के अनुसार, जो व्यक्ति किसी दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुँचाता है, उसे Good Samaritan यानी "नेक मददगार" कहा जाता है।

उसे न तो पुलिस रोकेगी, न जुर्माना लगेगा, न ही अनावश्यक पूछताछ की जाएगी।

आपका नाम, पता या मोबाइल नंबर देना भी आपकी मर्ज़ी पर होता है।

आप बस एक काम करें – **घायल को तुरंत अस्पताल पहुँचाएँ। यही सबसे बड़ा धर्म है।**

सोचिए, अगर वह घायल आपका अपना होता, तो आप क्या चाहते?

कोई निडर होकर उसकी मदद करे या सब डर के मारे खड़े रहें?

आइए हम सब मिलकर संकल्प लें –

“जहाँ भी कोई घायल दिखेगा,

मैं रुकूँगा, मैं मदद करूँगा,

मैं उसकी जान बचाऊँगा।”

यही सच्ची मानवता है,

यही हमारा कर्तव्य है।